

## भोले की शिवरात्रि आयी है | by Vicky Sandhu

देखो सावन की रत आई है  
भोले की मस्ती छायी है  
सब चले कावड़िये बन ठन के  
शिवरात्रि भोले की आई है

आते सावन भक्तो पे शिव का रंग चढ़े निराला  
झूम उठे मस्ती में सब पी कर शिव नाम का प्याला  
सब चले कावड़िये बन ठन के  
शिवरात्रि भोले की आई है

कोई खड़ी कोई झूला और कोई डाक कावड़ है लाये  
कोई करे दूधाभिषेक कोई बेल पत्र है चढ़ाये  
सब चले कावड़िये बन ठन के  
शिवरात्रि भोले की आई है

भक्तो की मन की हर इच्छा शिव पूरी करते हैं  
कहता दीपक भंडारी सबके भण्डार भरते हैं  
सब चले कावड़िये बन ठन के  
शिवरात्रि भोले की आई है

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%bf-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by-vicky-sand/>